



RRB ALP & TECHNICIAN 2024

&

झारखण्ड पुलिस भर्ती



Pilot Batch (CBT- 1&2)

हरियाणा बैच

सेवक बैच



HISTORY

1857 की क्रांति

LIVE

29-05-2024 09:00 AM



⇒ लार्ड माउटबेटन :- 1947-1948

⇒ स्वतंत्र भारत का प्रथम गवर्नर जनरल तथा भारत का अन्तिम अंग्रेज गवर्नर जनरल था।

⇒ 3 जून 1947 ई० को माउटबेटन प्लान की घोषणा की जिसमें भारत विभाजन की योजना

⇒ भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम विधेयक को ब्रिटिश संसद में 4 जून 1947 को प्रस्तुत किया गया ^{अन्तर्निहित थी}
तथा 18 जून 1947 को लागू कर दिया।

⇒ 14 अगस्त 1947 को पाकिस्तान का स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में निर्माण तथा 15 अगस्त 1947 को भारत स्वतंत्र हो गया।

⇒ 26 अक्टूबर 1947 को भारत में कश्मीर प्रान्त का प्रस्ताव महाराज हरिसिंह ने रखा था।

⇒ सी राजगोपालचारी :- 1948-1950 ई०

⇒ स्वतंत्र भारत का प्रथम व अन्तिम भारतीय गवर्नर जनरल सी राजगोपालचारी था।

1857 का विद्रोह: The Revolt of 1857

⇒ विद्रोह का आरम्भ और विस्तार:

⇒ 23 जनवरी 1857 ई० को दमदम के सैनिकों ने कारतूसों का प्रयोग करने से इंकार कर दिया

⇒ 29 March 1857 को बैरकपुर हवेली (मुर्शिदाबाद के समीप) 34वीं एन० आई० रेजीमेंट के सिपाही मंगल पांडे ने विद्रोह का आह्वान किया। सर्जेंट हूरसन व लेफ्टिनेंट बाग को गोली मार दी
↳ बच गया।

⇒ मंगल पांडे को फांसी :- 8 अप्रैल 1857 को, 34वीं रेजीमेंट को भंग कर दिया।

⇒ शाकावत :- 10 May 1857 ई० को मेरठ छावनी के सैनिकों ने खुला विद्रोह कर दिया तथा ब्रिटिश अधिकारियों पर खुली गोली चलाई।

⇒ 11 May को सैनिक दिल्ली पहुंचे तथा 12 May 1857 ई० को मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर को पुनः भारत का सम्राट घोषित कर दिया।

⇒ दिल्ली :- नेतृत्वकर्ता :- बहादुर शाह जफर तथा जनरल वक्त खाँ

दमनकर्ता :- निकोलसन व हडसन → २० Sep 1857 को अंग्रेजों ने दिल्ली को पुनः अधिकृत कर लिया।
↳ मारा गया

⇒ बहादुर शाह जफर को २० Sep 1857 को हडसन ने दिल्ली में हुमायूँ के मकबरे के पास पकड़ लिया।
↳ Note :- गिरफ्तार करने के बाद दिल्ली के लाल किले में मुकदमा चलाया।

⇒ पहादुर शाह छफर को गिरफ्तार करके पत्नी बीनत महल के साथ रंगून निवासित कर दिया तथा ३ Nov 1862 को उनकी मृत्यु हो गयी। रंगून में ही उनको दफना दिया गया।

⇒ लेखन ऊँ :- 4 JUNE 1857 ई०

→ नैतृत्वकर्ता :- बैंगम हजरत महल (महक परी) व बिरबिस कादिर

⇒ विद्रोह के समय अवध का चीफ कमिश्नर हेनरी लॉरेंस था।

→ भारागथा

⇒ दमनकर्ता :- कॉलिन कैम्पबेल

⇒ कॉलिन कैम्पबेल ने ञंग बहादुर के नेतृत्व में गोरखा रणभेद की सहायता से लखनऊ को पुनः अधिकृत किया।

③ कानपुर :- 5 JUNE 1857

↳ नेतृत्वकर्ता :- नाना साहब (धोंडू पंत) व तात्या टोपे